# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-1

हिन्दी मुरली में आये हिन्दी, अंग्रेजी, अरबी-फारसी भाषा व मुहावरों-कहावतों का सरलीकृत अर्थ हिन्दी भाषा में

सम्पादक की कलम से

शब्दकोष के विभिन्न भागों में मुरलियों में आने वाले कठिन शब्दों का अर्थ सरल शब्दों में समझाने का प्रयास किया गया है। कठिन शब्द को कोई परिभाषा नहीं दी जा सकती। देशकाल , भाषा की समझ , ज्ञान -स्तर में भिन्नता होने के कारण हर किसी के लिए कठिन और सरल शब्द का मापदण्ड अलग अलग हो सकता है।अतएव शब्दों के चुनाव में सामान्यीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। -

- जैसा कि भाषाविज्ञानी कहते हैं- " संस्कृतभाषायाः सर्व आर्यभाषाणां जननी अस्ति।" अर्थात् हिन्दी, मराठी गुजराती, नेपाली.... भाषायें संस्कृत भाषा से निःसृत हैं।पर सतयुग की भाषा हिन्दी होने से यह आदिभाषा के पद पर आसीन हो जायेगी।हिन्दी भाषा का जो वैश्विक स्तर पर व्यावहारिक रूप वर्तमान में है वह 125 वर्ष पुराना ही तो है। नहीं तो उसके पूर्व क्षेत्रीय राजाओं की तरह ब्रज, जोधपुरी ,अवधी, हरियाणवी, जैसी बोलियों के रुप मे ही थी। मात्र अवधी बोली बोलने वाला मेवाडी ,जयपुरी नही समझ सकता। आने वाले स्वर्णिम काल.में हिन्दी अंग्रेजी की चेरी न रहकर एक भाषा एक काल में आदिभाषा की पद की अधिकारिणी होगी।

भाषा की प्रकृति परिवर्तनशील रही है। शिव बाबा ने महावाक्य (मुरली) लगभग 50 वर्ष पूर्व उस समय की व्यावहारिक किन्तु बौद्धिकता से ओतप्रोत साहित्यिक, मानक (Standard) हिन्दी में दिया, जिसमें अंग्रेजी, अरबी-फारसी (

सिन्धी बोली/भाषा से आगत) प्रचुर मात्रा में है। इसलिये मुरलियों को पूर्णतः आत्मसात करने के लिए तद्नुरूप भाषा पर पकड़ अपेक्षित हो जाती है।इसलिए भी कठिन शब्दों के भाव को समझना जरूरी हो जाता है।।अन्यथा हम अज्ञानता व भ्रमवश शब्दों के अर्थ का अनर्थ कर देते हैं। आज हिन्दी भाषा की प्रकृति और स्वरूप में निश्चय ही समय के साथ भूमंडलीकरण के दौर में बदलाव आया है। इसलिये वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मुरलियों के अर्थ व भाव को अच्छे से समझने के लिए मुरली में आये कठिन शब्दों के भावार्थ जानना आवश्यक हो जाता है। वैसे भी दूसरी भाषाओं में अनूदित मुरली को उस भाषा के विद्वानों ने सरल बोधगम्य बनाया है, उसी तरह हिन्दी मुरली की दिशा में यह प्रयास आपके लिए उपयोगी साबित हो ऐसा सम्पादक मंडल आशा करता है।

(1)- सिकीलधे = मूल शब्द सिक से बना जिसका अर्थ अत्यन्त प्रिय, लाडले, जिस तरह लौकिक माता-पिता को बहुत प्रतीक्षा के उपरान्त पुत्ररत्न प्राप्ति पर बच्चे से बहुत सिक- सिक (Love) होना (अतिस्नेह) होती

है। उसी तरह परमात्मा को भी जब 5000 वर्षोंपरान्त बच्चों से संगम पर मिलन होता है, तो बच्चों से बहुत सिक- सिक होती है।
(सिन्धी शब्द पर मूलतः फारसी भाषा का शब्द)

(2)- मनमनाभव = स्वयं को आत्मा समझ एक बाप परमपिता शिव को याद करना।

(3) - मामेकम् = सिर्फ मुझ एक बाप/शिव को याद करो ।

(4) - अशरीरी= शरीर में रहते हुए शरीर से अलग/डिटैच/ भिन्न/ बिना ।

(5)- आत्मभिमानी = देह में रहते अपने को आत्मा रूप में स्थिर रहना या अनुभव करना ।

(6) - देही = देह को चलानेवाली/मालिक/□आत्मा ।

(7) - विदेही =बिना देह की/ शरीर से बिल्कुल अलग

(8) - कलंगीधर = कलंक को धारण करना ।

(9) - मध्याजी भव = स्वर्ग के सम्पूर्ण रूप (विष्णु) का स्वरूप को याद करो।

(10) - कृष्णपुरी = सतयुग में श्रीकृष्ण का □राज्य

(11)- बल्लभ = पृथ्वी के राजा के अर्थ में/इसका एक अर्थ प्रिय भी/ दुनियावी □रिश्तो से पार

(12) - कल्प = 5000 वर्ष का एक चक्र का नाटक / ड्रामा

(13) - युग = सृष्टिचक्र का एक चतुर्थांश/ 1250 वर्ष

(14) - वर्सा = शिवबाबा से मिलने वाले ज्ञानयोग के बल से सतयुग मे प्राप्त होने वाली राजाई अर्थात् राज्याधिकार ।

(15) - पारलौकिक = इस साकारी लोक या □दुनिया से पार/ बहुत दूर/सूक्ष्मलोक से भी ऊपर/ दुनियावी □रिश्तों से परे

(16) - लौकिक = दुनियावी/ सांसारिक रिश्ते /सम्बन्ध

(17) - माया = 5 विकार( काम, क्रोध, मोह, लोभ और अहंकार ) बाबा के ज्ञान से परे इसका अर्थ धन- सम्पत्ति के अर्थ में रूढ़ था।

(18) - बेहद = इस मायावी/ सांसारिक दुनिया के हद / सीमा से पार/ असीम

(19) - मूसल = □मिसाइल्स/ अणुबम/प्रक्षेपकास्त्र जैसे अन्य विध्वंशकारी अस्त्र- शस्त्र

20) - रूहरिहान = आत्मा की आत्मा से/ आत्मा की परमात्मा के साथ बातचीत

21) - मास्टर ज्ञान सूर्य = ज्ञान-सूर्य (शिव बाबा) का शिष्य/ बेटा/स्वरूप

==========================

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

□☀□☀□ ॐ शांति□☀□☀

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-2

मुरलीे में आये कठिन हिन्दी शब्दों के सरलीकृत रूप/अर्थ

(1)- निराकार सो साकार = साकार मे कर्म □करते हुए अपने निराकार स्वरूप (stage) की स्मृति/याद में रहना

(2)- पोतामेल = हिसाब-किताब

(3)- स्वदर्शन चक्रधारी = स्वयं को आत्मा समझते हुए सृष्टि चक्र और 84 जन्मों को स्मृति/याद में रहना

(4)- सतोगुण = अच्छे गुणधारी, विशेष रूप से सतयुग फिर 14 कला सम्पन्न त्रेतायुग तक की यह स्थिति।

(5) रजोगुण= राजसिक/ उपरोक्त दो युगों से कम गुण विशेषकर द्वापर से जहां ईर्ष्या-द्वेष रूपी रज/ धूल प्रारम्भ होती हैं।

(6) तमोगुण = गुणों में सबसे निम्न स्तर(4 कला सम्पन्न कलियुग से/ भारत मे अरबो के आक्रमण से शुरू )

(7) - उतरती कला = उत्तरोत्तर या सतयुग से धीर धीरे 16 कलाओं में ह्रास/कमी आन

(8)- शो करना/बाजी = दिखावा/नाम मान शान के पीछे चलना/प्रसिद्धि के लिए प्रयासरत

(9) - मुंझना = समझ में न आना

(10) - राजाई= बादशाही (विशेषकर सतयुग व त्रेतायुग में राज्य प्राप्त करने के सन्दर्भ में)

(11)- 16 कला सम्पन्न - मानव स्वभाव/व्यवहार की सर्वश्रेष्ठ कला (१००% सर्वगुण सम्पन्न)

(12) - निर्विकारी = विकार (बुराइयों) रहित (रजो, तमो से सम्बन्धित)

(13) - दो ताजधारी = संगमयुगी ब्राह्मण का और सतयुगी देवता दोनों के आभामंडल की लाइट का ताज धारण करना

(14) - कुख वंशावली =   गर्भ से जन्म (लौकिक)

(15) - मुख वंशावली = ब्रह्मा मुख से जन्म (अलौकिक)

(16) - अकालमूर्त =    जिसका काल भी न कुछ बिगाड़ सके/ अमर/ मृत्युंजय स्वरूप

(17) - सालिग्राम = आत्माएं/ जल के बहाव से नदी - समुद्र में शिवलिंग आकर का सबसे चिकना सुन्दर पत्थर जो हिन्दू धर्म में पूज्य

(18) - मूल वतन = परमधाम/ सर्व आत्माओं का मूल घर

(19) -  रस  = प्राप्ति का सार☺/ मजा/ आनन्द

(20) - विनाश काले विपरीत बुद्धि = अन्त समय दुर्बुद्धि का आना / अन्त समय भगवान को भूलना

विनाश काले प्रीतबुद्धि-----पांडव

विनाश काले विपरीत बुद्धि--कौरव।

(21) – माया से तात्पर्य संन्यासी साधक धनसम्पत्ति के मोह से लेते हैं, किन्तु मुरली में बाबा ने काम ,क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार आदि 5 विकारों की तरफ इशारा किया है।

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

☀☀ ॐ शांति☀☀

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-3

मुरली में आये कठिन हिन्दी(अरबी-फारसी युक्त) शब्दों के सरलीकृत अर्थ

(1) बलिहार जाना
➡न्यौछावर/समर्पित/कुर्बान कर देना

(2) विकर्माजीत
➡काम, क्रोध आदि विकर्मों से दूर/शून्य

(3) वर्सा
➡परमात्मा / बड़ो से सम्पत्ति का स्वतः बच्चों/ छोटों को मिलना

(4) नष्टोमोहा
➡पुरानी दुनिया से मोह ममत्व का त्याग, निर्मोही स्थिति

(5) ममत्व रखना
➡मोहमाया/अपनेपन के भाव में रहना

(6) मातेले
➡जो माँ को पसन्द हो/ सगा,जो सौतेला न हो

(7) सत्कर्म
➡अच्छा/पुण्य कर्म

(8) अकर्म ☺
➡जिस कर्म का खाता ही न बने अर्थात् सत्कर्म के खाते का क्षीण होना (देवताओं का कर्म इसी कोटि में आता है।)

(9) विकर्म
➡गलत/ विकार वश किया कर्म जिस कर्म से भविष्य में दुःख का खाता बढें

(10) निर्लेप
➡जिस पर विकारों का लेप ना लगा हो/ निर्विकारी स्थिति स्टेज

(11) सुबह का साई
➡जो सुबह मिलता हो अर्थात् ईश्वर/ शिव बाबा

(12) बेहद का बाप

➡प्रजापिता/ बापदादा/ सीमा से परे हो

(13) मूसलाधार

➡लगातार/ बिना रूके( संकर शब्द)

(14) फानन

➡अचानक/तुरन्त

(15) मिसाल- राज्य

➡राज्य का नमूना/ उदाहरण

(16) मृगतृष्णा/ मरीचिका

➡जो दिखाई तो देता हो पर वास्तव में होता ही नहीं (कभी कभी मैदानों में भी कड़ी धूप पड़ने के समय जल या जल की लहरों की मिथ्या प्रतीति होती है जिसे मृग जल समझकर तृष्णा बुझाने के लिये भटकता है)

(17) स्वचिन्तन

➡स्वयं का आध्यात्मिक मनन- चिन्तन/ आत्मा □की समझ

(18) अन्तर्यामी

➡मन के ज्ञाता/ सबकुछ जानने वाला

(19) बाह्यर्यामी

➡बाहरी/ दुनियादारी का अनुभवी

(20) खग्गे/कन्धे उछालना

➡खुशी में रहना

(21) गांवड़े

➡ गाँव का

❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀

□☀□☀□ ॐ शांति□☀□☀

❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-4

मुरली में आये कठिन हिन्दी(अरबी-फारसी युक्त) शब्दों के सरलीकृत अर्थ

(1) साकारी सो अलंकारी

➡देवता (शरीर में रहते सर्वगुण धारी)

(2) पद्मपति जज

➡अखुट सम्पत्ति (ज्ञान - योग धन) का स्वामी

(3) मत-पंथ

➡गुरूओं के बताये मत व उनके द्वारा दिखाये गये □रास्ते पर□□ चलना

(4) धरिया

➡धुरण्डी (होली के अगले दिन का एक त्यौहार)

(5) भागंती

➡सब कुछ सुनकर फिर छोड़ने वाला

(6) कच्छ- मच्छ

➡परमात्मा □के अवतारों के पौराणिक नाम यथार्थ- मत्स्यावतार,□ कच्छ,□वराह□

(7) मर्तबा

➡पद/ पोजीशन

(8) ताउसी तख्त

➡राज्य-भाग

(9) टिंडन

➡बिच्छू - टिंडन □जैसे जहरीले जीव

(10) असल

➡सही मायने में/ सच/ वास्तव में

(11) शिवपुरी

➡शिव परमात्मा का □निवास स्थान (परमधाम में सबसे ऊपर)

(12) विष्णुपुरी

विष्णु का निवास स्थान( सूक्ष्मलोक□)

(13) साकारपुरी

➡मनुष्यलोक( जिसमें सभी ग्रह-नक्षत्र □और जीवधारी, जड़- चेतन आते हैं)

(14) फराक दिल

➡रहमदिल/□साफ-शुद्ध चित्त वाला

(15) कखपन

➡बुराई/अवगुण

(16) तत्त्वज्ञानी

➡जीवन / संसार के सार या मूल को जाननेवाला

(17) ब्रह्मज्ञानी

➡ ब्रह्म -तत्त्व को जाननेवाला

(18) लौकिक □

इस संसार में रहते हुए व्यवहार□ करे

(19) अलौकिक

➡जो इस लोक से परे का व्यवहार करे

(20) कवच

बख्तर/ युद्ध में छाती की रक्षा के लिये उपयोगी □आवरण

(21) बेगर

➡अकिंचन/भिक्षुक/दरिद्र

❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀

□☀□☀□ ॐ शांति□☀□☀

❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-5

मुरली में आये कठिन शब्दों के सरलीकृत रूप/अर्थ

हिन्दी मुरली शब्दकोष के 30 से अधिक भागों में हिन्दी ,अंग्रेजी कठिन शब्दों और मुहावरों का अर्थ भाव सहित सरल शब्दों में समझाने का प्रयास किया गया है। कठिन शब्द को कोई परिभाषा नहीं दी जा सकती। किसी के लिए जो शब्द कठिन हो सकता है वही औरों के लिए सरल भी। कठिन शब्दों का चयन करने और अर्थ का स्पष्टीकरण देते समय यद्यपि सावधानी बरती गई है, फिर भी सुधी पाठकों से अनुरोध है कि यदि आपकी दृष्टि में शब्दकोष में कही कोई त्रुटि रह गई हो साथ ही इस शब्दकोष के अतिरिक्त भी जो कठिन शब्द मुरली श्रवण-वाचन करते हुए आपकी दृष्टि में आयें तो हमें यहां **9458867727**, लिखित संदेश के माध्यम से अवश्य जानकारी दे, जिसे हम दूसरे भाग में शामिल कर सके।

भाषा की प्रकृति परिवर्तनशील रही है। बाबा ने अपने महावाक्य(मुरली) पचास वर्ष पहले उस समय की व्यावहारिक किन्तु बौद्धिकता से ओतप्रोत साहित्यिक, मानक (Standard) हिन्दी में दिया, जिसमें अंग्रेजी,अरबी-फारसी के शब्द प्रचुर मात्रा में है । भूमंडलीकरण के दौर में हिन्दी भाषा की प्रकृति और स्वरूप में निश्चय ही समय के साथ बदलाव आया है। तो निश्चय ही आधुनिक परिप्रेक्ष्य में मुरलियों के अर्थ व भाव को अच्छे से समझने के लिए मुरली में आये कठिन शब्दों के भावार्थ जानना आवश्यक हो जाता है। वैसे भी हिन्दी मुरली से दूसरी भाषाओं में अनूदित मुरली को उस भाषा के विद्वानों ने सरल बोधगम्य बनाया है, हिन्दी मुरली की प्रकृति में कोई बदलाव नहीं किया जा सकता, इसलिये यह शब्दकोष मुरली का कठिन शब्दों से मुरली का भावबोध का अर्थ कराने व रसास्वादन कराने में उपयोगी साबित हो ऐसा सम्पादक द्वय आशा करता है।

(1) पत्थरपुरी

➡ कलियुगी/दिलोदिमाग❤ पत्थर सदृश (पत्थर पूजे हरि मिले, तो.....)

(2) पत्थरनाथ

➡ माया/विकारों के वशीभूत

(3) पारसपुरी

➡स्वर्ग/सतयुग( दिलोदिमाग जहाँ पारस पत्थर जैसा हो

(4) पारसनाथ

➡ परमात्मा/ पारस सदृश बनाने वाला

(5) गरीब- निवाज़ □□

➡ गरीबों का रहनुमा□□/ मददगार□ शिव परमात्मा

(6) पथ प्रदर्शक □

पैगम्बर□/रास्ता दिखाने □वाला/□□□गाइड

(7) शिरोमणि□□

➡सर्वश्रेष्ठ/मुख्य/चोटी□□

(8) सूक्ष्म-वतन/लोक

➡स्थूल □□या साकारी लोक और मूलवतन □या परमधाम के बीच का वह स्थान जहाँ ब्रह्मा,□ विष्णु, □महेश □के साथ फरिश्तों □□की दुनिया है।

(9) ऊँ शान्ति □□

मैं□□ आत्मा □शान्त□□स्वरूप □हूँ

(10) अंगद के समान □□

➡अचल अडिग/ कैसी भी परिस्थिति में स्थिर □□रहना

(11) अविनाशी बृहस्पति

➡अविनाशी राज्यभाग(ब्रह्मा के साथ)

(12) मायाजीत □□जगतजीत□□

➡माया □□पर विजय □पाने वाले को जगत □की बादशाही □□मिलेगी

(13) मुक्तिदाता

➡सर्वदुःखों □से मुक्ति/आजादी □दिलानेवाले, शिव बाबा

(14) रौरव नरक

➡नरक की अति/पुराणों में एक भीषण नरक का नाम जो २१ नरकों में से पाँचवाँ कहा गया है।

(15) निधनके

➡जिसके माँ-बाप □□न हो

(16) बेअन्त

➡अनादि/ अन्तहीन /जिसका अन्त न हो

(17) हठयोग

➡ हठ करके योग □लगाना/

जिसमें शरीर □□को साधने के लिये बड़ी कठिन □□कठिन मुद्राओं और आसनों□♀ आदि का विधान है। विशेष– नेती, धौती आदि क्रियाएँ इसी योग के अंतर्गत हैं।शरीर के भीतर कुंडलिनी, अनेक प्रकार के चक्र तथा मणिपूर आदि स्थान माने गए हैं। मत्स्येंद्रनाथ और गोरखनाथ इस योग के मुख्य आचार्य हो गए है।

(18) रूद्रमाला

➡शिव □की माला □जिसमें 08,108,16108 की माला□ सम्मिलित है

(19) नूँथ होना

➡ माला □में पिरोया □हुआ

(20) खाद

विकारों □का लेप □हो/खाद

(21) शान्ति का घमंड

➡शान्ति☺/साइलेन्स की□□ शक्ति

❀ ✿ ¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ¸¸¸.•*´¯`☆❀

□☀□☀□ ॐ शांति□☀□☀

❀ ✿ ¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ¸¸¸.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-6

मुरली में आये कठिन हिन्दी(अरबी-फारसी युक्त) शब्दों के सरलीकृत अर्थ□

(1) विदेही बाप

➡अशरीरी बाप/□शिव परमात्मा

(2) बैकुण्ठनाथ

➡स्वर्ग(□सतयुग-त्रेतायुग□) के मालिक/ □□राजा

(3) त्रिलोकीनाथ □♣□

➡तीनों लोकों का मालिक □□शिव □परमात्मा

(4) आदमशुमारी

➡बहुतायत/अति/जनगणना भी एक अर्थ में

(5) समजानी

➡ समझाना, राय देना, समझदारी/समझ

(6) अभूल

➡भूल □न करने वाला

(7) अष्टरत्न□

➡सबसे आगे का नम्बर /पास विद् आनर केवल आठ □आत्माएं/आठ की माला □इन्हीं से बनती है।

(8) होवनहार

➡सम्भावित/ भविष्य□ में होने वाला

(9) निर्वाणधाम□

➡ समस्त आत्माओं □के साथ परमात्मा □का भी निवास स्थान/परमधाम/परलोक/ब्रह्मलोक□

(10) करनकरावनहार

➡सब कुछ करने □कराने वाला □परमात्मा

(11) भंडारा□
➡खाने□-पीने□ की वस्तुओं का संग्रह स्थल

(12) कर्मभोग□□♂
➡विकर्मों □का खाता ✍□जिसे भोगना□□ पड़ता है या योगबल □□से मिटाया□□ जा सकता है।

(13) निर्माण चित्त□
➡जिसका मन □निर्मल/साफ हो☺/ निर्माण करने □का जिसमें हृदय □हो

(14) अलबेलापन□
➡आलस्य □( पांच विकारों पर भी भारी पड़ने वाला विकार)

(15) सर्वोदय लीडर □□□
➡सब पर दया □करने वाला

(16) शुरूड़
तीक्ष्ण बुद्धि□□/प्रखर

(17) सूर्यवंशी □
सतयुगी देवी □□देवता□□

(18) चन्द्र वंशी □
त्रेतायुगी देवी देवता □□□□□

(19) कल्प-कल्पान्तर
➡हर कल्प में ( सतयुग से संगमयुग तक)

(20) आप ही पूज्य आपे पुजारी
➡स्वयं की ( अपने देव स्वरूप की) स्वयं ही पूजा करने वाली देव वंशावली की आत्माएं

(21) आत्माएं अंडेमिसल रहती
➡परमधाम □में ऊपर□ परमात्मा □के नीचे □□नम्बरवार □आत्माएं□ अण्डे□ की तरह/सरीखे रहती है।

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀
□☀□☀□ ॐ शांति□☀□☀
❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-7

मुरली में आये कठिन हिन्दी(अरबी-फारसी युक्त) शब्दों के सरलीकृत अर्थ

(1) विचार सागर□ मंथन
➡अच्छी रीति □सोचना□ समझना□

(2) भस्मासुर □
➡एक असुर□ जो किसी को या स्वयं □□को भी भस्म कर सकता है

(3) डोडा
➡ जवारी, ज्वारे □/ बाजरी कि □रोटी

(4) मुरीद
➡आकर्षित□□□/प्रशंसक□□♂

(5) भागीरथी □□
➡भाग्यशाली रथ ब्रह्मा का □□/भगीरथ की तपस्या □□के समान। भारी। बहुत बड़ा।

(6) जिन्न जैसी बुद्धि
➡अथक परिश्रमी □□(जिन्न का अर्थ □भूत)

(7) नंदीगण
➡बैल □की प्रतिकृति जो □□शिवमन्दिर में होती है/कलियुग अन्त में शिव बाबा □जिन दो रथों/तन ( ब्रह्मा बाबा व गुलजार दादी ) का सहारा लेते हैं, यही नन्दीगण के प्रतीक

(8) उजाई माला
➡बुझी हुई माला□□

(9) अजामिल
➡पुराण □के अनुसार एक पापी ब्राह्मण का नाम जो मरते समय अपने पुत्र 'नारायण' का नाम लेकर तर □□गया

(10) मुरब्बी बच्चा
➡आज्ञाकारी/पसंदीदा/समान

(11) भगवानुवाच👆🏻

➡ शिव परमात्मा के महावाक्य/ विशेषतः मुरली पूरी तरह भगवानुवाच 👆🏻ही है

(12) कागविष्ठा

➡बहुत थोड़ा/ कौए की लीद जैसा गन्दा

(13) नामी-ग्रामी

➡प्रसिद्ध करने वाला

(14) युगल

➡जोड़ा/दम्पत्ति/ पति-पत्नी में से कोई एक भी

(15) सम्पूर्ण ब्रम्हा

➡सूक्ष्म शरीरधारी वतनवासी ब्रह्मा/साकार में कर्मातीत ब्रह्मा

(16) व्यक्त ब्राह्मण

➡शरीरधारी♂ ब्रह्मा और ब्राह्मण♀

(17) अव्यक्त सम्पूर्ण ब्रह्मा

➡सूक्ष्म वतनवासी ब्रह्मा

(18) प्रजापिता

➡सभी आत्माओं के पिता

(19) सम्पूर्ण सरस्वती

➡सूक्ष्म शरीरधारी/वतनवासी सरस्वती

(20) बाला

➡प्रसिद्ध करना

(21) कर्मातीत

➡कर्म के बन्धन से दूर/जीवन-मुक्त आत्मा/कलियुग अन्त तक ९ लाख आत्माएं अपने श्रेष्ठ पुरुषार्थ से कर्मातीत अवस्था को प्राप्त करेंगी।

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

☀☀ ॐ शांति☀☀

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-8

मुरली में आये कठिन हिन्दी(अरबी-फारसी युक्त) शब्दों के सरलीकृत अर्थ

(1) श्रीमत

➡शिव □परमात्मा के द्वारा उच्चारित□ मत/विचार□□

(2) गुरूमत □

➡प्रसिद्ध गुरूओं □के मत ✍□पर आधारित

(3) शास्त्रमत□

➡वेद, पुराण, उपनिषद आदि शास्त्रों □पर आधारित मत

(4) मन्मत्/मनमत्

➡स्वयं के तर्क□/विवेक बुद्धि☺ पर आधारित विचार✍□

(5) पक्का महावीर □□

➡विजयी ,सफल, दृढ़, सफलतामूर्त

(6) रसातल□

➡बुराई □की अति

(7) अनादि□

➡जिसका न कोई आदि/आरम्भ हो, न अन्त हो

(8) कब्रदाखिल□

➡अकाले अवसान/मृत्यु/ समाप्ति

(9) परिस्तान□

➡फरिश्तों □□की दुनिया/सतयुगी दुनिया□

(10) ज्ञान की कंठी□

➡ज्ञान ✍□की माला□/प्राप्ति□□

(11) अजपाजप

➡लगातार जाप करना( वह जप जिसके मूल मंत्र 'हंसः' का उच्चारण श्वास- प्रश्वास के गमनागमन मात्र से होता जाय ),इस जप की संख्या एक दिन और रात में २१,६०० मानी गइ है।

(12) पद्मापद्म

➡अनेकानेक,अखुट,असीम, १०० खरब का एक पद्म

(13) फौरन

➡तुरन्त, फटाफट

(14) शक्ति फर्स्ट

➡माताओं को आगे रखना

(15) भासना आना

➡अनुभव होना

(16) रूहानी लीला

➡आत्माओं की लीला

(17) अन्तर्मुखता☺

➡स्वचिन्तक

(18) मनसा

मन की शक्ति से/ मनसा सेवा

(19) मलेच्छ

➡पापी/ भ्रष्टाचारी

(20) रायल घराना

राजाई घराना/ सतयुगी देवी देवता परिवार

(21) बेगर टू प्रिन्स ⇒

➡ विकारों के कारण भिखारी बनी हुई आत्माओं को ज्ञान ✍व योग द्वारा शिव बाबा राजकुमार अर्थात् धनवान, राज्य-अधिकारी बनाते हैं।

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

☀☀ ॐ शांति☀☀

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-9

*□मुरली में आये कठिन हिन्दी(अरबी-फारसी युक्त) शब्दों के सरलीकृत अर्थ□*

(1) अकर्ता □

➡ कर्म □के खाते ✍□से दूर/ निर्लिप्त /निर्बंधन

(2) एक ओंकार 👆□

➡परम शक्ति□ एक ही है 👆□

(3) भ्रमरी मिसल

➡भ्रमरी □की तरह दीपक □में भूं भूं करना

(4) कौड़ी मिसल

➡कौड़ियों के मोल/ मूल्यहीन

(5) जानीजाननहार

➡ सर्वज्ञ□/सबकुछ 👆□जानने वाला

(6) शमा□

➡ अग्नि / शिव बाबा को शमा कहा है और हम आत्माएं *शमा* पर फिदा *परवाने*

(7) नूँध✍□

➡ पहले से लिखा□ हुआ

(8) खिव्वैया

➡ नाव को खेने वाला परमात्मा हमारी ज़िन्दगी रूपी नैया की पतवार □□♀ को चला कलियुगी दुनिया□ से पार ले जाने वाला

(9) छि-छि-पलीती

➡ गन्दा (नये जन्में शिशु के कपड़ों जैसा)

(10) सोमरस

देवताओं का अमृत□

(11) नामाचार

➡ प्रसिद्ध/ लोक विश्रुत

(12) बांधेलिया

➡ बन्धन युक्त □□□□आत्मायें

(13) हथेली पर बहिश्त□□♂

➡ हथेली पर/हाथ में स्वर्ग की बादशाही

(14) अल्लफ

➡ एक परमात्मा

(15) चात्रक रहना

➡ जिज्ञासु □बने रहना, हमेशा□ तैयार

(16) मैं पन□□♂

➡ देह □□♂अभिमान

(17) नेष्टा

➡ नियम प्रमाण/योग

(18) सचखण्ड

➡ सतयुग

(19) बादशाही

➡ सतयुग □की आठ गर्दिश, अष्टरत्न□

(20) आदम - ईव

सृष्टि के शुरू □में आने वाले प्रथम नर-नारी□□□□/ हिन्दू धर्म में मनु-श्रद्धा/

(21) स्वहेज़

➡ मनोरंजन

❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀

□☀□☀□ ॐ शांति□☀□☀

❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-10

मुरली में आये इस कठिन शब्दों के सरलीकृत अर्थ

सम्पादक की कलम से

इस शब्दकोष के 21 से अधिक भागों में बाबा की मुरलियों में आने वाले कठिन शब्दों का अर्थ सरल शब्दों में समझाने का प्रयास किया गया है। कठिन शब्द को कोई परिभाषा नहीं दी जा सकती। किसी के लिए जो शब्द कठिन हो सकता है वही औरों के लिए कठिन। कठिन शब्दों का चयन करते समय यद्यपि सावधानी बरती गई है, फिर भी सुधी पाठकों से अनुरोध है कि यदि आपकी दृष्टि में शब्दकोष में कही कोई त्रुटि रह गई हो तथा इसके अतिरिक्त भी जो कठिन शब्द मुरली श्रवण-वाचन करते हुए दृष्टि में आये,तो हमें इस **9458867727** Watsapp number पर अवश्य जानकारी दे, जिसे हम दूसरे भाग में शामिल कर सके।

भाषा की प्रकृति परिवर्तनशील रही है। बाबा ने अपने महावाक्य(मुरली) पचास वर्ष पहले उस समय की व्यावहारिक किन्तु बौद्धिकता से ओतप्रोत साहित्यिक, मानक (Standard) हिन्दी में दिया, जिसमें अंग्रेजी,अरबी-फारसी और (जो सिन्धी से आये हो सकते हैं) प्रचुर मात्रा में है। आज हिन्दी भाषा प्रकृति और स्वरूप में निश्चय ही समय के साथ भूमंडलीकरण के दौर में बदलाव आया है। तो निश्चय ही आधुनिक परिप्रेक्ष्य में मुरलियों के अर्थ व भाव को अच्छे से समझने के लिए मुरली में आये कठिन शब्दों के भावार्थ जानना आवश्यक हो जाता है। वैसे भी दूसरी भाषाओं में अनूदित मुरली को उस भाषा के विद्वानों ने सरल बोधगम्य बनाया है, उसी तरह हिन्दी मुरली की दिशा में यह प्रयास आपके लिए उपयोगी साबित हो ऐसा सम्पादक आशा करता है।

(1) सिजरा

➡ फूलों □का गुलदस्ता□

(2) दग्ध करो

➡ खत्म करो

(3) नट शैल

➡ सार रूप □(सारांश)

(4) मच्छरों सदृश वापस जाना

➡ अन्त समय □एक साथ अनेक आत्माएं □मच्छरों के समान परमधाम □जायेंगी।

(5) न्यारा और प्यारा

➡ सबसे न्यारा□□♂/अलग □□♂होते हुए भी सबका □□□प्यारा होना

(6) रूहानियत
➡ आत्मिक स्थिति/ स्वभाव□ में स्थिर □□रहना

(7) हद का पेपर ✍□
➡ स्वयं □□□या ब्राह्मण □□परिवार द्वारा □पेपर

(8) मूलवतन□
➡ आत्मा-परमात्मा का निवास□ स्थान

(9) झांझ
➡ एक वाद्ययंत्र/ संगीत निकालने वाला स्थान

(10) भट्ठी□
➡ जिसमें तपकर सोने में निखार आये/आबू जैसी पावन तपस्याभूमि में जाकर वरिष्ठों की क्लास आदि का श्रवण-चिन्तन-मनन से ब्राह्मणत्व में सुधार लाना

(11) राजयोग□□
➡ परमात्मा □को याद करने की सर्वोच्च सहज विधि, जिसमें आंखें □खोलकर अपने को आत्मा □समझकर परमात्मा 👆□ के ज्योति स्वरूप □का ध्यान□□ किया जाता है।

(12) सुखधाम
➡स्वर्ग/सतयुग

(13) शांतिधाम□
➡ आत्मा-परमात्मा का निवास स्थान

(14) परमधाम
➡ आत्मा-परमात्मा का निवास स्थान

(15) निर्वाणधाम
➡आत्मा-परमात्मा का निवास स्थान
/ ब्रह्मलोक, मूलवतन भी कहते हैं

(16) तदबीर
➡ अभीष्ट सिद्धि करने का साधन/उक्ति/ तरकीब/ यत्न ।

(17) तकदीर
➡भाग्य/प्रारब्ध/ किस्मत

(18) लेप- छेप

➡ कर्मों ♂का खाता✍

(19) गर्भ जेल

➡ गर्भ जेल में रहते कर्म बन्धन के हिसाब ✍किताब चूकतू करना

(20) अन्तर्मुखता☺

➡आत्मिक स्थिति में रहना/भीतर की ओर उन्मुख/आंतरिक ध्यानयुक्त।

(21) पित्र खिलाना

➡ परम्परा से चली आ रही भारतीय रस्म जिसमें लोग मृत व्यक्ति की आत्मा को ब्राह्मणों ♀के शरीर में आह्वान♂ कर पितरों की इच्छाओं को पूरा करने का प्रयास किया जाता है ।

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

☀☀ ॐ शांति☀☀

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-11

मुरली में आये कठिन हिन्दी(अरबी-फारसी युक्त) शब्दों के सरलीकृत अर्थ

1) शंख ध्वनि□□
   ➡ ज्ञान □सुनाना□

2) मौलाना मस्ती□□
   ➡भगवान की याद में मस्त□

3) अलाव
   ➡स्वीकार करना□□/ ज्ञान देना□□

4) तवे तवे
   ➡ गर्म तवे

5) मोचरखाना□□♂
   ➡ मार/सजाये खाना

6) अलबेलापन
   ➡ गैर जिम्मेदाराना व्यवहार/□कर्म/आलस्य□

7) आपे ही तरस परोई
   ➡ देवताओं की बड़ाई और अपनी बुराई की भक्ति का गायन

8) फारगति देना
   ➡ छोड़ के जाना□□/ भाग जाना□□/तलाक□ देना

9) भंभोर
   ➡ गोल □दुनिया

10) तिजरी की कथा
   ➡ भक्ति मार्ग की सत्य नारायण की काल्पनिक कथा के मध्य में सुनाई जाने वाली कथा

11) सचखण्ड
   ➡ स्वर्ग/सतयुग

12) शूबीरस□□

➡ स्वर्ग का एक □पेय/अमृत□

13) बनियन ट्री□

➡प्राचीन वटवृक्ष □जिसकी जड़ का पता नहीं ( कोलकाता के बोटेनिक गार्डन में है)

14) डबल सिरताज□□

➡ स्वर्ग में डबल सिरताज होते देवी देवता एक लाइट अर्थात पवित्रता का ताज और दूसरा रतन जड़ित ताज□□

15) प्लानिंग बुद्धि□

➡ लक्ष्य □पर सोचती□ बुद्धि

16) प्लेन बुद्धि

➡ साफ बुद्धि☺

17) निर्लेप

➡ कर्म □बन्धन से □□मुक्त

18) काम कटारी

➡ काम विकार □में जाना

19) अविद्याभव

➡ अज्ञानता □के कारण भूल जाना

20) सालिग्राम

➡ शिव □लिंग के साथ जो छोटे छोटे □शिवलिंग आकर के पत्थर होते हैं। जो हम ब्राह्मण आत्माओं के प्रतीक हैं।

21) नम्बरवार□

➡कोई होशियार □□□कोई बुद्धू □/ क्रमोत्तर गिरती □हुई स्थिति में होना।

❀ ✿ ¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

□☀□☀□ ॐ शांति□☀□☀

❀ ✿ ¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-12

*□मुरली में आये कठिन हिन्दी(अरबी-फारसी युक्त) शब्दों के सरलीकृत अर्थ□*

(1) जड़जड़ीभूत □होना
➡ खोखला □□होना

(२) बहिश्त
➡ स्वर्ग/□ सतयुग त्रेतायुग

(३) खिव्वैया□□
➡ तारणहार□ □/ नैया □□पार लगाने वाला

(४) करनीघोर
➡ जिन्हें मुर्दे□ की बची चीजें□□ दी जाती हैं।

(५) गुलशन
➡ बगीचा□

(६) अन्तर्मुखी☺
➡ शान्त□/ जो शिव बाबा □की याद □में अन्तर्मुखी स्वभाव ☺वाला हो जाये

(७) नैन चैन
आंख □की हलचल व व्यवहार□ द्वारा

(८) जिस्मानी यात्रा□
➡ शारीरिक □□यात्रा

(९) मुलम्मे
➡ कमतर/निम्न बर्तन की गन्दगी करने से संबंधित

(१०) कुम्भीपाक □नर्क
➡ पुराणों □में वर्णित ✍□एक घोर नर्क

(११) सिरताज□

➡ बाबा □□के सिर के □□ताज / आज्ञाकारी□□♂

(१२) मोहताज□

मोह □के ताजधारी/ माया □के वशीभूत□□

(१३) अकालमूर्त

➡ जिसको काल ना खा सके/नित्य/अविनाशी ।

(१४) फरमान बरदार

➡ आज्ञाकारी□□♂ होना

(१५) रमता जोगी

➡ एक जगह □□जमकर न रहनेवाला। घूमता फिरता□□♂। जैसे,–रमता जोगी बहता पानी इनका कहीं ठिकाना नाहिं।

(१६) हमजिन्स□

➡ बन्धु,मित्र

(१७) फखुर□/ फक्र□

➡ नशा/ गर्व□

(१८) समर्थ

➡ फायदेमंद/ सम्पन्न□

(१८) समर्थी

➡ सम्पन्नता□

(१८) व्यर्थ

➡ जो फायदेमंद नहीं हो/ अनावश्यक

(१९) कौरव

➡ दुःख □देने वाले मनुष्य , *जो ईश्वरीय नियम मर्यादाओं को न मानते है और न उनकी श्रीमत पर चलते है, कौरव कहलाते है!* भारत में कौरव वंशियों का महाविनाश के समय आपस में गृहयुद्ध होगा।

(२०) पाण्डव

➡ जिनको ईश्वरीय नियम वा मर्यादाओं □पर □सम्पुर्ण निश्चय है और ईश्वरीय पार्ट को पहचान कर ईश्वरिय ज्ञान को जीवन मे धारण करते है वही सच्चे पांडव कहलाते है, परमात्मा भी इनके साथी बनते हैं ।

(२१) यादव

➡ जिन्होंने खुद के □□□□कुल का विनाश स्वयं ( बॉम्ब ,□मिसाईल□) बनाकर करगें। युरोप आदि पश्चिम देश विज्ञान की शक्ति द्वारा परमाणु अस्त्र शस्त्रों द्वारा अपने ही मानव कुल का विनाश करेगें ⁎

*□ विशेष मुरली से⁎

शास्त्रों में दिखाते हैं- लड़ाई में यादव कौरव मारे गये। पाण्डव 5 थे। फिर हिमालय पर जाकर गल मरे।
अर्थात 5 % आत्माएँ तपस्या द्वारा शरीर के भान को समाप्त कर स्वर्ग अर्थात सतयुग में जाने की अधिकारी बनती हैं 1

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

□☀□☀□ ॐ शांति□☀□☀

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-13

मुरली में आये कठिन हिन्दी(अरबी-फारसी युक्त) शब्दों के सरलीकृत अर्थ

(१) रडिया मारना

➡ चीखना-चिल्लाना□

(२) पोतामेल

➡ आत्मा जो मन वाणी कर्म द्वारा कार्य करे उसके रोज □का हिसाब-किताब✍□□

(३) कर्म

➡ शारीरिक □□अंगों द्वारा किया गया कोई भी □कार्य

(४) शफा पाना

➡ फायदा□/भला होना□

(५) टीवार्ट

➡ तिराहा/तीन □रास्ते

(६) लवलीन□

➡ प्यार में मस्त□

(७) मासी का घर

➡ जहां □आसानी से आया□□ जाया □□जा सके

(८) सब स्टेशन

➡ शान्ति □प्राप्त□□ कर आगे □भेजने वाला

(९) लड़ाई वालों का मिसाल

➡ कोई सैनिक □□□का उदाहरण

(१०) लोन लेकर□

➡ किराये पर

(११) स्वदर्शन चक्र□

➡ अपने सारे चक्र के अंदर सर्व भिन्न भिन्न 84 जन्म के पार्ट को जानने/देखने वाले - कैसे एक देह छोड़ दूसरा लिया... कभी स्त्री का तो कभी पुरुष का... कभी उत्तर में तो कभी दक्षिण में... अपने 84 जन्मों की माला को देखें...
हम सब इस चक्र के अंदर हीरो पार्ट बजाने वाली विशेष आत्मायें हैं। - स्वदर्शन चक्रधारी अर्थात मास्टर नोलेजफूल

(१२) वाममार्ग

➡ जब से देवताओं ने विकर्म करना शुरू किया तब से वाममार्ग शुरू हुआ

(१३) गोया

➡ मानो/ अर्थात्

(१४) माया

➡ काम, क्रोध, मोह, लोभ, अहंकार रूपी पांच विकार/भक्ति मार्ग में धन-संपत्ति

(१५) शो करना

➡ नाम बढ़ाना

(१६) चों चों का मुरब्बा

➡ किस चीज से बना ये पहचानना मुश्किल/ सब कुछ मिक्स

(१७) ओम्

➡ मैं आत्मा

(१८) रूद्र-ज्ञान यज्ञ

➡ शिवबाबा ने स्वयं ज्ञान देकर जिस यज्ञ की स्थापना की हो

(१९) मिस न करना

➡ कभी न छोड़ना

(२०) इत्तला देना

➡ जानकारी देना

(२१) एक ओंकार

➡ एक 👆 मात्र भगवान

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

☀☀ ॐ शांति☀☀

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-14

मुरली में आने वाले मुहावरों और कहावतों का अर्थ व्याख्या सहित

(१) अपनी घोट तो नशा चढ़े

➡ अपनी बुद्धि □ से मनन-चिन्तन □□जितना करेंगे, उतना नशा □□♂चढ़ेगा।

(२) एक बाप दूसरा न कोई

➡ लौकिक □व्यवहार में रहते हुए बुद्धि □में परमात्मा □के सिवा कोई ✌□दूसरा न याद आये।

(३) हथ कार डे दिल यार डे

➡ हाथों □□से काम □करते रहो, दिल□ से शिव बाबा □को याद □करते रहो अर्थात् कर्मयोगी □□♂बन जाओ।

(४) घट में ही ब्रह्मा, घट में ही विष्णु, घट में ही नौ लख तारे।

➡ एक 👆□सेकण्ड में शिव बाबा□ ब्रह्मा बाबा के तन में आकर ज्ञान□ देते और ब्रह्मा □□से विष्णु □□और नौ लाख प्रजा □□□□तैयार हो जाती।

(५) चिंता ताकी कीजिए जो अनहोनी होय

➡ किसी भी बात की चिंता □नहीं करनी चाहिए, क्योंकि जो होना ✍□है वही हो □रहा।

(६) चुल पे सो दिल पे

➡ जो साथ □रहे हैं, वही दिल□ पर रहते हैं।

(७) जिन सोया तिन खोया

➡ जो □अमृतवेले सो □जाते हैं, वे सर्व □□प्राप्तियों को खो □□♂देते हैं।

(८) जो ओटे सो अर्जुन

➡ जो □□♂अपने आप आकर सेवा की जिम्मेदारी उठाता है, वही अर्जुन (नम्बरवार) □में आता है।

(९) टट्टू को टारा काजी को इशारा

➡ समझदार □केवल इशारे□□ से समझ जाता है जबकि मूर्ख□ चाबुक/दण्ड से ही समझता है।

(१०) तुरन्त दान महाकल्यान

➡ दान □देने का संकल्प □आते ही दान कर देना, क्योंकि इसमें महापुण्य का फल□ समाया हुआ है।

(११) धन्ने सब में धूर, बिगर धन्धे नर से नारायण बनने के

➡ सब धन्धे में वही धन्धा□ सर्वश्रेष्ठ □है जो नर □□से नारायण□□ बना दे। बाकी किसी धन्धे से अविनाशी धन □की प्राप्ति □□हो नहीं □□सकती।

(१२) मिठरा घुर त घुराय

➡ मीठा □बनो तो सब□□□□ आपसे मीठा व्यवहार□ करेंगे।

(१३) बच्चू बादशाह पीयू वजीर

➡ काम विकार□ अगर विकारों का राजा है, तो □क्रोध उसका वजीर है।

(१४) बम-बम भोले भर दे झोली

➡ हे!□□ परमात्मा हमारी बुद्धि रूपी झोली ज्ञान□ रत्नों □से भर दो।

(१५) मनुष्य से देवता किये, करत न लागी बार।(कबीर)

➡ भगवान को मनुष्य □□से देवता □□बनाने में तनिक □भी देर नहीं लगती।

(१६) मूत-पलीती कप्पड़ धोये

➡ विकारों से □मलिन मन रुपी कपड़ों □को परमात्मा के□ याद रुपी साबुन से ही धोया जा सकता है।

(१७) शेरनी का दूध सोने के बर्तन में ही ठहरता है।

➡ बाबा का श्रेष्ठ ज्ञान स्वच्छ मन वचन बुद्धि में ही धारण हो सकता है।

(१८) सच तो बिठो नच

➡ जहां सच्चाई है, वहां मन खुशियों से नाचता रहता है।

(१९) हिम्मते बच्चे मददे बाप

➡ जो बच्चे हिम्मत □□रख आगे बढ़ते □□हैं, उन्हें बाप की मदद □जरूर मिलती है।

(२०) सांप भी न मरे और लाठी भी न टूटे

➡ अपने कार्य में सफलता भी हासिल हो जाती और किसी को दुःख भी न मिले, ऐसी युक्ति से हर कर्म करना चाहिए।

(२१) हुक्मी हुक्म चला रहा

➡ जो कुछ भी होता है , भगवान की आज्ञा समझकर उसे मानकर चलना है।

❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀

□☀□☀□ ॐ शांति□☀□☀

❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-15

*□मुरली में आये कठिन हिन्दी(अरबी-फारसी युक्त) शब्दों के सरलीकृत अर्थ□*

हिन्दी मुरली शब्दकोष के 2□ 7□से अधिक भागों में हिन्दी ,अंग्रेजी कठिन शब्दों और मुहावरों का अर्थ भाव सहित सरल शब्दों में समझाने का प्रयास किया गया है। कठिन शब्द की कोई परिभाषा नहीं दी जा सकती। किसी के लिए जो शब्द कठिन हो सकता है, वही औरों के लिए सरल भी। कठिन शब्दों का चयन करने और अर्थ का स्पष्टीकरण देते समय यद्यपि सावधानी बरती गई है, फिर भी सुधी पाठकों से अनुरोध है कि यदि आपकी दृष्टि में शब्दकोष में कही कोई त्रुटि रह गई हो साथ ही इस शब्दकोष के अतिरिक्त भी जो कठिन शब्द मुरली श्रवण-वाचन करते हुए आपकी दृष्टि में आयें तो हमें यहां वाटसप **9458867727**, लिखित संदेश के माध्यम से अवश्य जानकारी दे, जिसे हम दूसरे भाग में शामिल कर सके।

भाषा की प्रकृति परिवर्तनशील रही है। बाबा ने अपने महावाक्य (मुरली) पचास वर्ष से भी पहले उस समय की व्यावहारिक किन्तु बौद्धिकता से ओतप्रोत साहित्यिक, मानक (Standard) हिन्दी में दिया था, जिसमें अंग्रेजी,अरबी-फारसी के शब्द प्रचुर मात्रा में हैं। भूमंडलीकरण के दौर में हिन्दी भाषा की प्रकृति और स्वरूप में समय के साथ बदलाव आया है। अतः आधुनिक परिप्रेक्ष्य में मुरलियों के अर्थ व भाव को अच्छे से समझने के लिए मुरली में आये कठिन शब्दों के भावार्थ जानना आवश्यक हो जाता है। वैसे भी हिन्दी मुरली से दूसरी भाषाओं में अनूदित मुरली को उस भाषा के विद्वानों ने सरल बोधगम्य बनाया है, किन्तु हिन्दी मुरली स्वयं शिव बाबा से निःसृत होने से इसकी मूल प्रकृति में कोई बदलाव नहीं किया गया , इसलिये यह शब्दकोष कठिन शब्दों का भावबोध कराकर मुरलियों का रसास्वादन कराने में उपयोगी साबित हो ऐसा सम्पादक द्वय आशा करता है।

मुरली में आने वाली कहावतें व लोकोक्तियों का अर्थ

◁▽△▷◁△▽▷◁△▽▷◁△▽▷

(१) कख का चोर सो लख का चोर

➡ चोरी चोरी □है, चाहे राई(पैसे)□की हो चाहे पर्वत□ समान लाखों □की हो।

(२) गुड़ियों की पूजा

➡ भक्ति/मिट्टी □के पुतले बनाकर उनकी□ पूजा करना।

(३)तीन □पैर पृथ्वी□ के
➡ थोड़ी सी जगह

(४) गले का हार बनना
➡ अत्यंत प्रिय□□ होना/शोभा बढ़ाना

(५) बेड़ा डूबना
➡ विषय-विकार □रूपी सागर□ में डूबना।

(६) खग्गियां मारना/कन्धे उछालना
➡ आनंद और खुशी में मानो भांगड़ा□□ नृत्य करना

(७) झूठी माया झूठी काया झूठा सब संसार
➡ सत्य एक ☝□परमात्मा और बाकी □सब कुछ□ झूठ

(८) ठौर न पाना
➡ ठिकाना/सहारा न मिलना

(९) डिब्बी में ठीकरी
➡ डिब्बा □खोला तो मिट्टी मिली

(१०) नशा चढ़ना
➡ खुश □होना

(११) कट निकालना
➡ कमी-कमजोरी निकालना

(१२) सच्चा सोना बनना
➡ सोने □जैसे आकर्षित होने का सबसे कीमती होने का गुण□ धारण करना□□

(१३) तकदीर को लकीर लगाना
➡ माया वाला □अलबेलापन में आकर □□भाग्य (ज्ञानयोग)□□ कम बटोरना/मिलना

(१४) घमासान होना
➡ लड़ाई□♂/अफरातफरी□□□♀ का माहौल

(१५) अक्षर देना
➡ ज्ञान □देना/वचन□ देना

(१६) छी-छी दुनिया

➡ नर्क/पुरानी □कलियुगी दुनिया

(१७) पायी-पैसे की तकदीर

➡ भाग्य □में सिर्फ थोड़ा✍□ लिखा हो

(१८) दिवा जलाना

➡ याद □करना

(१९) सर का मोर होना

➡सर्वश्रेष्ठ होना/ हृदय □में बसना

(२०) माया - मच्छन्दर का खेल

➡ लुका-छिपी जैसा एक खेल जो माया □भी खेलती/करती है।

२१) मुख में मुहलरा डाल देना

➡ हातमताई की कहानी में मुहलरा का प्रयोग किया गया है। उसमें मुहलरा मुख में डालते थे तो माया गुम हो जाती थी। मुहलरा निकालने से माया आ जाती थी।तो शिव बाबा का ज्ञान और योग मुहलेरा के समान है। जब कोई परिस्थिति या संकट आता है तो बाबा कि याद और ज्ञान ही हमें माया से बचा सकता है।

==========

❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀

□☀□☀□ ॐ शांति□☀□☀

❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-16

मुरली में आने वाले मुहावरों और कहावतों का अर्थ व्याख्या सहित

(१) सच्चे दिल □पर साहब□□ राजी

➡ भगवान □ सच्चे हृदय □वालों पर न्यौछावर □होते हैं।

(२) लंगर □उठाना□

➡ मोह ☺त्यागना

(३) पान का बीड़ा उठाना

➡ जिम्मेदारी उठाना□/ हिम्मत □□करना

(४) अन्तमति □सो गति□□

➡ अन्त समय□ के संकल्पों□ (अवचेतन मन चल रहा होगा)के अनुसार अगला □□♂जन्म

(५) चात्रक रहना

जिज्ञासु □रहना/ हमेशा तैयार□□ रहना

(६) मिट्टी खाना

व्यर्थ की बात □करना

(७) सुनंति-पशंति-औरों को सुनावंती-भागंती

➡ अच्छी अच्छी आत्मायें □□भी माया □से हार □□♂जाती

(८) आंटे में लून

➡ ज़रा सा/ बहुत आटें में थोड़ा सा नमक

(९) सरसों के माफिक

➡ सरसों के दाने जैसा/अनेकानेक

(१०) मुख-पानी होना

➡ मुंह में पानी आना/पसंद□ आना

(११) गुल गुल बनना
➡ फूल □जैसा सुन्दर □□♂बनना

(१२) चढ़े तो चाखे बैकुंठ रस
पुरूषार्थ □□से स्वर्ग □की बादशाही □□मिलना

(१३) आप मुएं मर गई दुनिया
➡ दुनिया □से किनारा □करने से किसी की याद नहीं आयेगी

(१४) अति खूने नाहक
➡ क्रूरता □□करना

(१५) हाथ कर दे दिल यार दे
➡ हाथ□□ से कर्म करते हुए मन□□में एक बाप 👆□की याद रहना

(१६) बुद्धि योग तोड़ना
➡ परमात्म □याद से विमुख □होना

(१७) बुद्धि का ताला खोलना
➡ याद 👆□दिलाना/ ज्ञान का तीसरा नेत्र खुलना।

(१८)विषय वैतरणी नदी पार करना
➡ पौराणिक मान्यता ✍□के अनुसार इसका जल □बहुत ही गरम □और बदबूदार □है और उसमें हड्डियाँ, लहू तथा बाल आदि भरे हुए हैं। यह भी माना जाता है कि प्राणी □को मरने के बाद पहले यह नदी □पार करनी पड़ती है, जिसमें उसे बहुत कष्ट □होता है। परंतु यदि उसने अपनी जीवितावस्था □□♂में गोदान □किया हो, तो वह उसी गौ □की सहायता से सहज में इस नदी के पार उतर जाता है। पापियों □को यह नदी पार करने में बहुत कष्ट होता है।
मुरली में इसका रहस्य यही है कि बच्चों संगम युग में पुरुषार्थ करके ही तुम अन्त समय की सजाओं से बच सकते हो।

(१९) इच्छा मात्रम अविद्या
➡ इच्छा के बारे मे संम्पुर्ण - अज्ञान =इच्छाए मृगतृष्णा□ के समान है जिसके पिछे भागने से और ही दूर चलती चली जाती है और हमें असंतुष्ट □करते रहती है ।इस संबध में बाबा हमें बहुत अच्छी युक्ति बताते है कि जब हमें इच्छाओं के बारे में कुछ ज्ञान ही नहीं रहता तब मन □□कि ऊंची स्थिति द्वारा हमारी हर मनोकामना स्वतःपूर्ण हो जाती है ।यह युक्ति है सदा संतुष्ट और तृप्त रहने कि ।

(२०) चढ़े तो चाखे वैकुंठ रस, गिरे तो चकना चूर

➡ ज्ञान मार्ग ✍मे कदम कदम पर संभाल कर चलना पड़ता है ।हर कदम पर राय लेनी पड़ती है । जो ज्ञान मार्ग✍ की सीढ़ीपर निरंतर आगे चढ़ते रहते है वे वैकुंठ रस चखने के अधिकारी बनते है लेकिन अगर माया के वश होकर नीचे गिर जाते है तो अधोगती को प्राप्त करते है ।

(२१) चढ़ती कला तेरे भाने सबका भला
➡ आपकी सद्गगति के साथ - साथ सर्व आत्माओं को गति अर्थात् मुक्ति मिल जाती है । आपकी चढती कला मे सर्व का भला होता है ।

*निवेदन- इस शब्दकोष के अतिरिक्त भी बहुत से कठिन शब्द शामिल होने से रह गये है।आपको कोई कठिन शब्द मिले जिसे आपने इस शब्द कोष में न पढा हो तो हमें कृपया इस नम्बर पर मैसेज कर सूचित करे जिसे हम अगले भागों में शामिल कर सकें।

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

☀☀ ॐ शांति☀☀

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-17

हिंदी मुरली में आये अंग्रेजी शब्दों के अर्थ

☆★☆★☆★☆★☆★☆★☆★☆★☆

१) हेल
➡ नर्क

२) ग्रेड
➡ कक्षा, धोरण, पद□

३) गॉडफादरली स्टूडेंट लाइफ
➡ ईश्वरीय 👆□ विद्यार्थी जीवन

४) नेचुरल कैलमिटी
➡ प्राकृतिक □□आपदा

५) गॉडफादर इज नॉलेजफूल➡ सर्वज्ञ, सर्वज्ञानी, सर्वज्ञाता भगवान

६) गार्डन □ऑफ़ अल्लाह□
➡ सतयुग, स्वर्ग

७) रिलीजियस माइंडेड□
➡ आस्तिक, □□आस्थावान, धरमाऊ□

८) रिफ्यूजी□
➡ विस्थापित□□

९) गॉडफादरली मिशन□
➡ भगवान 👆□ का दूत-कर्म□□

१०) डेविल

➡ शैतान

११) थॉट रीडर

➡ संकल्प को पढनेवाला

१२) गॉड क्रिएटर इस वन

➡ रचयिता भगवान् एक है

१३) कोर्स

➡ शरुआती ज्ञान

१४) रिवाइज्ड कोर्स

➡ अव्यक्त मुरली की फिर से पढ़ाई (हर इतवार को जो पढ़ी जाती)□□

१५) रियलाईज़ेशन कोर्स

➡ज्ञान की धारणा/अनुभूति की पढ़ाई

१६) रीफाइन

➡ शुद्ध करना, साफ़ करना

१७) फाइन

➡ शुद्ध, साफ़

१८) कनेक्शन

➡ जोड़ना

१९) पॉवरहाउस

➡ शक्ति-स्त्रोत

२०) सब-स्टेशन□

➡ शक्ति प्राप्त कर आगे भेजनेवाले

२१) अटेंशन

➡ सावधानी

❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀

□☀□☀□ ॐ शांति□☀□☀

❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-18

हिंदी मुरली में आये अंग्रेजी शब्दों के अर्थ

☆★☆★☆★☆★☆★☆★☆★☆★☆

□□□□□□□□□□

1) इन्वर्टर बुद्धि
➡ अन्तर्मन □□में झांकती बुद्धि□□

2) इमर्ज □
➡ प्रकट □□♂होना

3) प्रॉपर्टी
➡ मिल्कियत □

4) डीटी वर्ल्ड सोवरिनिटी
➡ देवताई , विश्व □की बादशाही□□□□

5) एवर प्योर □
➡ सदा पावन,□भगवान□

6)गॉडइज ओमनी प्रेजेंट□
➡ भगवान् सर्वव्यापी है □

7)बर्थ राईट
➡ जन्मसिद्ध □□अधिकार

8) फोरेनर
➡ विदेशी,परदेसी□□

9) फ्रैक्शन
➡ भाग,□टुकड़ा□

10) ब्रदरहुड

➡ विश्व भ्रातृभाव,□सार्वभौम सहिष्णुता,

11) रिटर्न □

➡ वापसी सेवा□□□

12) बायोग्राफी

➡ आत्मकथा□

13) वर्ल्ड माइटी

➡ विश्वशक्तिशाली

14) पवित्रता

➡ मन - वचन - कर्म से पावन, निश्छलता, स्वछता, चतुराई रहित, सरल, साफ, शुभ वृत्ति , शुभ विचार कामना या इच्छा रहित, निस्वार्थ

15) रूहानी यूनिवर्सिटी

➡आत्मा की कॉलेज

16) वाइब्रेशन

➡ कम्पन,संकल्पों की तरंगे

17) फोलोवर

➡ मतावलंबी, अनुयायी

18) सरेंडर

➡ समर्पित

19) डलहेड

➡ बुद्धू

20) अलाव

➡ मानना,स्वीकार करना,आज्ञा देना

21) यूनिवर्स

➡ विश्व/ब्रह्मांड/सम्पूर्ण जगत

❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀

□☀□☀□ ॐ शांति□☀□☀

❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-19

हिंदी मुरली में आये अंग्रेजी शब्दों के अर्थ

१) सालवेज
➡ बचाना, छुड़ाना, मुक्त कराना

२) फाउंडर
➡ स्थापक

३) वायलेंस
➡ हिंसा

४) क्रिएटर
➡ रचयिता

५) परमिट
➡ परवाना, आज्ञा - पत्र

६) डायरेक्टर
➡ दिग्दर्शक

७) कंबाइंड
➡ साथ में, जुड़े

८) इन्वेंशन
➡ आविष्कार

१०) डबल लाइट
➡ हल्केपन □के साथ रौशनी□ का ताज□

११) एवर रेडी□♀
➡ हमेशा तैयार □

१२) टेम्परारी
➡ थोड़े समय के लिए, क्षणिक

१३) लाइट हाउस
➡ समंदर में नावों को रास्ता दिखाने के लिए रौशनी का टावर

१४) सेण्टर
➡ सेवाकेंद्र, मध्य बिंदु

१५) जंक
➡ कूड़ा-कचरा, कट, लोहे को बिगाड़ने वाली चीज़

१६) रिहर्सल
➡ पूर्व प्रयोग

१७) स्ट्राइक
➡ हडताल

१८) डिससर्विस
➡ गलत सन्देश जाना, नकारात्मक प्रभाव पड़ना

१९) कन्वर्ट होना
➡ धर्म परिवर्तन करना

२०) आयरन एज्ड
➡ कलियुगी

२१) सुप्रीम पावर
➡ परम 👆 शक्ति

२२) वैरायटी
➡ विभिन्न , प्रकार

❀ ✿ ¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ¸¸¸.•*´¯`☆❀

☀☀ ॐ शांति ☀☀

❀ ✿ ¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ¸¸¸.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-20

मुरली में आये कठिन शब्दों के सरलीकृत रूप/अर्थ

हिन्दी मुरली शब्दकोष के 2□ 7□से अधिक भागों में हिन्दी ,अंग्रेजी कठिन शब्दों और मुहावरों का अर्थ भाव सहित सरल शब्दों में समझाने का प्रयास किया गया है। कठिन शब्द की कोई परिभाषा नहीं दी जा सकती। किसी के लिए जो शब्द कठिन हो सकता है, वही औरों के लिए सरल भी। कठिन शब्दों का चयन करने और अर्थ का स्पष्टीकरण देते समय यद्यपि सावधानी बरती गई है, फिर भी सुधी पाठकों से अनुरोध है कि यदि आपकी दृष्टि में शब्दकोष में कही कोई त्रुटि रह गई हो साथ ही इस शब्दकोष के अतिरिक्त भी जो कठिन शब्द मुरली श्रवण-वाचन करते हुए आपकी दृष्टि में आयें तो हमें यहां **9458867727**, लिखित संदेश के माध्यम से अवश्य जानकारी दे, जिसे हम दूसरे भाग में शामिल कर सके।

भाषा की प्रकृति परिवर्तनशील रही है। बाबा ने अपने महावाक्य (मुरली) पचास वर्ष से भी पहले उस समय की व्यावहारिक किन्तु बौद्धिकता से ओतप्रोत साहित्यिक, मानक (Standard) हिन्दी में दिया था, जिसमें अंग्रेजी,अरबी-फारसी के शब्द प्रचुर मात्रा में हैं। भूमंडलीकरण के दौर में हिन्दी भाषा की प्रकृति और स्वरूप में समय के साथ बदलाव आया है। अतः आधुनिक परिप्रेक्ष्य में मुरलियों के अर्थ व भाव को अच्छे से समझने के लिए मुरली में आये कठिन शब्दों के भावार्थ जानना आवश्यक हो जाता है। वैसे भी हिन्दी मुरली से दूसरी भाषाओं में अनूदित मुरली को उस भाषा के विद्वानों ने सरल बोधगम्य बनाया है, किन्तु हिन्दी मुरली स्वयं शिव बाबा से निःसृत होने से इसकी मूल प्रकृति में कोई बदलाव नहीं किया गया , इसलिये यह शब्दकोष कठिन शब्दों का भावबोध कराकर मुरलियों का रसास्वादन कराने में उपयोगी साबित हो ऐसा सम्पादक द्वय आशा करता है।

हिन्दी मुरली में आये अंग्रेजी शब्दों के अर्थ

□□□□□□□□□□□

१) डिपेंड करना = सहारे रहना□,भरोसा करना□□♂

२) टॉकी□ = आवाज़ वाली□/की (दुनिया)□

३) वेस्ट ऑफ़ टाइम □ = समय □व्यर्थ गँवाना □□♂

४) वेस्ट ऑफ़ मनी □= धन व्यर्थ □□गँवाना

५) वेस्ट ऑफ़ एनर्जी □= शक्ति व्यर्थ□ गवांना

६) पास्ट - प्रेजेंट - फ्यूचर = भूतकाल - वर्तमानकाल -भविष्यकाल

७) परमिशन = अनुमति□□

८) रियलाईज = बात को पहचानना□□□/समझना□

९) नेचुरल = प्राकृतिक□

१०)लिफ्ट □ = गति से ऊपर ले जाने वाला साधन□

११) गिफ्ट □= भेंट□

१२)हमजिंस □= बन्धु, दोस्त, मित्र □

१३) क्रिएशन = निर्माण, □सृजन

१४) अर्थक्वेक = भूकंप□

१५) एक्टिविटी = कर्म□♂—शैली□♀

१६)फिलोसोफी = दर्शन, तत्वज्ञान□

१७)इन्कॉरपोरल = निराकार□

१८) रूहानी सोशल वर्कर = समाज सेवक □□□आत्माओं का(भगवान)□

१९) वैल्युएबल = कीमती□, महँगा, ज़रूरी, महत्वपूर्ण

२०) अबाउट = विषय में□/बारे में, सार में, मोटे तौर पर

२१)अट्रैक्शन □= आकर्षण □□

❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀

□☀□☀□ ॐ शांति□☀□☀

❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-21

१) डीनायस्टी = वंश

२)ऑक्यूपेशन = व्यवसाय

३) ओर्गंस = अंग,उपांग

४)ह्यूमन गुलशन = मानवों का बगीचा(दुनिया)

५) मैनर्स = चाल-चलन

६) ऑनेस्ट = सच्चा, सत्यपरक

७) एजुकेशन डिपार्टमेंट = शिक्षा विभाग

८) एवर हेल्थी एवर वेल्थी = तन और धन से सदा सुखी, सदा समृद्ध

९) बर्थ प्लेस = जन्म स्थान

१०) रिलिजन = धर्म, मज़हब

११) गॉडली बुलबुल = भगवान का ज्ञान सुनानेवाले

१२) सरेंडर = समर्पण

१३) टू लेट = सबसे लास्ट के भी पीछे□□□

१४) एम-ऑब्जेक्ट □= लक्ष्य□

१५) विन = जीत,□विजय✌

१६) नेचुरल कर्म = सामान्य/प्राकृतिक कर्म

१७) कनेक्शन = जुड़ाव,योग

१८) करंट = विद्युत, बिजली का प्रवाह,वर्तमान

१९) चांस = अवसर

२०) सर्विसेबुल = सेवाधारी

२१) सेक्रिफ़ाइस = सबसे मीठा

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

□☀□☀□ ॐ शांति□☀□☀

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-22

१) लवली = सुन्दर, मनभावन फीचर व्यक्तित्व

२) एक्टिविटी = क्रिया-कला

३) इन्शुरन्स कंपनी = बीमा कंपनी

४) हिरोशिमा = जापान का शहर जहाँ परमाणु बम फोड़ा गया था ( द्वितीय विश्व युद्ध में)

५) रिलिजन = धर्म

६) स्टिमर/ स्टिम्बर = भांप से चलता पानी का जहाज

७) प्रॉपर्टी Property = जायदाद

८) राईट हैण्ड = आज्ञाकारी, पसंदीदा

९) भागंती Bhaganti = सबकुछ सुन के फिर ज्ञान छोड़नेवाले

१०) बैरिस्टर Barristor = वकील

११) लंगर उठाना Langar Uthana = मोह त्यागना□

१२) एड्वेरटाइज़= विज्ञापन, सुचना, घोषणा

१३) लिबेरेटरगाइड = छुड़ाकर□ रास्ता□ दिखानेवाला

१४) सोर्स ऑफ़ इनकम = आय का □साधन□

१५) स्टूडेंट लाइफ इस बेस्ट लाइफ = विद्यार्थी जीवन श्रेष्ठ जीवन

१६) स्पिरिचुअल = अध्यात्मिक

१७) थ्रू , Through = द्वारा

१८) वाईसलेस □(Viceless) = अवगुण रहित, विकार रहित, दोष रहित , गुणवान, दिव्य

१९) फायरफ्लाई = जुगनू

२०) होलिएस्ट = परम पवित्र

२१) हाईएस्ट = श्रेष्ठतम, सर्वोच्च, सबसे ऊंचा, परम

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

□☀□☀□ ॐ शांति□☀□☀

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-23

**********

मुरली में आये कठिन हिन्दी(अरबी-सिंधी-फारसी-अंग्रेजी युक्त) शब्दों के सरलीकृत अर्थ

१) लीप सेंचुरी = अधिक शतक (जैसे अधिक मास/दिन)

२) सेफ्टी = सुरक्षा के उपाय

३) फ्लोलेस टीचर = निर्दोष, त्रुटिरहित शिक्षक

४) अंडरलाइन = पक्का करना

५) प्लानिंग = कल्पना/उपाय करना

६) फाउंडेशन = जड़

७) साल्वेशन Salvation = दुखों से छुड़ाने वाला, मुक्त करने वाला, रक्षा करने वाला

८) फॉर्म = आकृति, संस्कार, रीति, सादृश्य

९) सिल्वर ऐज = त्रेतायुग

१०) आयरन ऐज= कलियुग

११) फ्लड = बाढ़

१२) ओपन स्टेज = सारी दुनिया के सामने

१३) पार्ट = भाग, खण्ड, हिस्सा
, नाटक□ के पात्र का खेल का हिस्सा

१४) होली हँस = हँस जैसे पवित्र

१५) सर्जन Surgeon = शल्य-चिकित्सक

१६) अल्लफ़ = एक परमात्मा

१७) क्रिस्चियन मिशनरी = ईसाई धर्म के प्रचार करनेवाला अनुयायी
पहला नर-नारी

१८) हाफ कास्ट = ज्ञान मिलते भी पूरा धारण नहीं करते और अपवित्र भी बनते

१९ ) टाइटल = उपाधि, नाम

२०) वी आर एट वॉर = हम लोग लड़ाई के मैदान में हैं

२१) इन्वेंशन = आविष्कार

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀
□☀□☀□ ॐ शांति□☀□☀
❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-24

हिन्दी मुरली में आये अंग्रेजी शब्दों के अर्थ

१) मैनर्स = सभ्यता, अच्छी आदतें

२) अथॉरिटी के बोल = शक्तिशाली बोल

३) मेमोरेंडम = स्मरणलेख

४) डेविल वर्ल्ड□= नर्क , कलियुग

५) कल्ट , Cult = पंथ

६) एक्यूरेट = सटीक,सही

७) स्टेटस = पद

८) फमिलिअरिटी, Familiarity = सम्बन्ध □बढ़ाना,□□□ज्ञान से अलग चर्चा

९) फर्स्टक्लास नेचर क्योर = सबसे बढ़िया □प्राकृतिक चिकित्सा□□

१०) मेयर = महापालिकाध्यक्ष□□□

११) टर्न लाना = परिवर्तन करना

१२) रियलाईजेशन कोर्स = समझ कर □धारण करना□□, स्व यानी मैं आत्मा हूं शिव पिता परमात्मा की संतान हूं इसको जानना अर्थात अनुभव करना अर्थात अपनी असली पहचान मिलना।

१३) फ्लाइंग स्क्वाड = उड़न दस्ता

१४) रॉयल फॅमिली = रॉयल (राजाई) देवताई परिवार, सतयुग में विश्व महाराजन (महाराजा) या राजा के परिवार में होना।

१५) स्वीट होम (स्वीट साइलेंस होम) = मुक्ति धाम,परमधाम

१६) पार्टीशन= अलग होना

१७) साइड सिन = जैसे ट्रैन में जाते तो खिड़की में देखते तो साइड सीन्स आते और पास होते रहते। साइड सीने अर्थात हम अपने आपको जीवन में आने वाली परिस्थितियों (सीन्स)में साइड होकर चलें वे आएंगे और पास होते जाएंगे।

१८) नेचुरल ब्यूटी = प्राकृतिक सौन्दर्य

१९) बांधेलियाँ, Bandheliyan = बंधनयुक्त आत्माए

२०) डिग्री डीग्रेड = श्रेणी कम होना

२१) स्कालरशिप = विद्या, पाण्डित्य, छात्रवृति, विद्वता

*निवेदन- इस शब्दकोष के अतिरिक्त भी बहुत से कठिन शब्द शामिल होने से रह गये है।आपको कोई कठिन शब्द मिले जिसे आपने इस शब्दकोष में न पढा हो तो हमें कृपया इन वाटसप नम्बरों, **9458867727** में किसी एक पर केवल मैसेज द्वारा सूचित करें, जिसे हम अगले भागों में शामिल कर सकें।

❀ ✿ ¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ¸¸¸.•*´¯`☆❀

□☀□☀□ ॐ शांति□☀□☀

❀ ✿ ¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ¸¸¸.•*´¯`☆❀

□☀□☀□☀□☀□☀□ □☀□☀□☀□☀□☀□☀□☀□☀□ □☀□☀□☀□☀□☀□☀□ □☀□☀□☀□☀□☀□☀□☀□☀

❀ ✿ ¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ¸¸¸.•*´¯`☆❀✿ ¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-25

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿
□☀□☀□☀□☀□☀ □☀□☀□☀□☀□☀□☀□☀□☀ □☀□☀□☀□☀□☀ □☀□☀□☀□☀□☀□☀□☀

*□मुरली में आये कठिन( अरबी - फारसी - सिंधी - अंग्रेजी) शब्दों के सरलीकृत अर्थ□*

✧※✧※✧※✧※✧※✧※※✧※✧※✧※✧※※

✉ सम्पादक की कलम से

इस शब्दकोष के 2□ 1□ से अधिक भागों में बाबा की मुरलियों में आने वाले कठिन शब्दों का अर्थ सरल शब्दों में समझाने का प्रयास किया गया है। कठिन शब्द को कोई परिभाषा नहीं दी जा सकती। किसी के लिए जो शब्द कठिन हो सकता है वही औरों के लिए कठिन। कठिन शब्दों का चयन करते समय यद्यपि सावधानी बरती गई है, फिर भी सुधी पाठकों से अनुरोध है कि यदि आपकी दृष्टि में शब्दकोष में कही कोई त्रुटि रह गई हो तथा इसके अतिरिक्त भी जो कठिन शब्द मुरली श्रवण-वाचन करते हुए दृष्टि में आये, तो हमें इस **9458867727** Watsapp number पर अवश्य जानकारी दे, जिसे हम दूसरे भाग में शामिल कर सके।

भाषा की प्रकृति परिवर्तनशील रही है। बाबा ने अपने महावाक्य(मुरली) पचास वर्ष पहले उस समय की व्यावहारिक किन्तु बौद्धिकता से ओतप्रोत साहित्यिक, मानक (Standard) हिन्दी में दिया, जिसमें अंग्रेजी, अरबी-फारसी और (जो सिन्धी से आये हो सकते हैं) प्रचुर मात्रा में है। आज हिन्दी भाषा प्रकृति और स्वरूप में निश्चय ही समय के साथ भूमंडलीकरण के दौर में बदलाव आया है। तो निश्चय ही आधुनिक परिप्रेक्ष्य में मुरलियों के अर्थ व भाव को अच्छे से समझने के लिए मुरली में आये कठिन शब्दों के भावार्थ जानना आवश्यक हो जाता है। वैसे भी दूसरी भाषाओं में अनूदित मुरली को उस भाषा के विद्वानों ने सरल बोधगम्य बनाया है, उसी तरह हिन्दी मुरली की दिशा में यह प्रयास आपके लिए उपयोगी साबित हो ऐसा सम्पादक आशा करता है।
✧※✧※✧※✧※※✧※✧※✧※✧※✧※✧※✧

१) सतयुगी डीटी वर्ल्ड = सतयुगी दैवी □दुनिया का □सामाज्य

२) अडॉप्टेड , Adopted = गोद लेना

३) एक्यूरेट = अचूक, यथार्थ, शुद्ध

४) रेस Race = दौड़, स्पर्धा

५) गॉडली स्टूडेंट , Godly Student = भगवान □शिक्षक से ✍□पढनेवाले

६) ब्लिसफुल□ = परम सुख/मोक्ष दाता

७) मोस्ट बिलवेड गॉड फ़ादर =

सबसे/सबका प्यारा शिवबाबा

८) मैसेंजर = दूत✈,सन्देश ले जानेवाला /लानेवाला

९) ऑटोमेटिकली = स्वतः,आपेही,अपने आप

१०) चार्ट , Chart = दैनन्दिनी,पोतामेल

११) अर्थ क्वेक Earth Quake = भूकम्प

१२) एक्सचेंज = अदला-बदली

१३) राईट डायरेक्शन,=
सही दिशा

१४) रेस्पोंसिबल = जिम्मेवार ♂

१५) कॉमन = आम,एक जैसा

१६) पोज़ Pose = मुद्रा,♂विशिष्ट आकृति धारण करना

१७) वैरायटी Variety = भिन्न-भिन्न, अलग-अलग, तरह तरह के

१८) सेल्फ कण्ट्रोल = मनजीत,अपनी आज्ञा में , स्व पर नियंत्रण, संयम रखना

१९) वेस्ट Waste = नकारा,व्यर्थ,बिना काम के

२०)स्टाम्प, Stamp = सिक्का,चिन्ह

२१)पाम्प, (Pomp) = बहुत ज़ोर(धूमधाम), अतिज़ोर, आडंबर।

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

☀☀ ॐ शांति☀☀

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-26

हिंदी मुरली में आये अंग्रेजी शब्दों के अर्थ

☆★☆★☆★☆★☆★☆★☆★☆★☆

१) कंप्लेंट, Complaint = शिकायत□

२) कम्पलीट, Complete = सम्पूर्ण□□

३) वंडरफुल सिन सीनरी = विस्मयकारी दृश्य□

४) ट्रस्टी = साक्षी□□

५) टॉकी = आवाज वाला□ चलचित्र

६) मूवी = बिना आवाज वाला चलचित्र□

७) बायोस्कोप, Bioscope = टि.वी./फिल्म□

८) फॉलो फ़ादर, Follow father = बाप □□के नक़्शे कदम □पर चलना□□□♀

९) ट्रिब्यूनल = न्यायालय□

१०) ट्रेटर = वे बच्चे जो एक ओर ज्ञान अमृत पीत हैं तो दूसरी ओर विकारों में पड़कर आसुरी चलन चलकर डिससर्विस करते हैं, ईश्वर के बच्चे बनकर भी अपनी चलन सुधारते नहीं, आपस में मायावी बातें करते।

११) रॉयल घराना = राजाई घराना□□

१२) जेल बर्ड्स = कारावास

१३) साइलेंस, Silence = शांति□

१४) पावरफुल, Powerful = शक्तिशाली□

१५) प्रैक्टिकल लाइफ, Practical Life = व्यवहारिक जीवन□□

१६) सेर्विसेबुल = सेवा करनेवाला□□□

१७) अथॉरिटी, Authority = शक्ति/प्रभाव शाली□□

१८) क्यू, Queue = पंक्ति□♀□□□♀

१९) लाइट का क्राउन, Light Ka Crown = पवित्रता का ताज□□

२०) ऑलमाइटी □अथॉरिटी = 👆□ सर्वशक्तिमान□

२१) लकी स्टार, Lucky Star = भाग्यशाली☺ सितारा□

❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀

□☀□☀□ ॐ शांति□☀□☀

❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-27

हिंदी मुरली में आये अंग्रेजी शब्दों के अर्थ

☆★☆★☆★☆★☆★☆★☆★☆★☆

१) राईट-रॉग = सही□ - गलत□

२)फुल्ली = अच्छी □तरह □

३) पास विद ऑनर = □%शत प्रतिशत,जिनको कोई सज़ा के बिना परमधाम जाना हैं □

४) टेम्पटेशन □Temptation = इच्छा जिससे थोड़े समय का सुख मिल सकता है, परन्तु दीर्घकाल में दुःख दायक□,/प्रलोभन, लोभ

५) मोस्ट बिलेवेड बाप = सबसे प्यारा □बाप□

६) सुप्रीम सोल, Supreme Soul = परमात्मा□

७) प्रोस्पेरिटी , Prosperity = सम्पन्नता□

८) ओरफन, Orphan = निधनके,जिसके माँ-बाप □नहीं□

९) इम्मोर्टल, Immortal = अविनाशी□

१०) मोर्टल = विनाशी□

११) बॉडी कांशिअसनेस, Body conciousness = देह□□♂ अभिमान□□□

१२) हेवेनली गॉड फ़ादर, Heavenly God Father = सतयुगी दुनिया का निर्माण करने वाले भगवान □□□

१३) ब्राइड्स = दुल्हन□□

१४) ब्राइडग्रूम , Bride Groom = दूल्हा□□

१५) लिबरेटर, = आज़ादी □□दिलानेवाला□ या जीवनमुक्ति और मुक्ति देने वाला

१६) वर्थ नाट पेनी = कौड़ी☃ तुल्य जीवन

१७) वर्थ पाउंड, Worth Pound = हीरे□ तुल्य

१८) डिनायस्टी = राजवंश या वंश-परम्परा/ ब्राहमणों की डिनायस्टी नहीं है। ब्राहमणों का कुल है, डिनायस्टी तब कहा जाता है, जब सतयुग में देवी- देवता बनते हैं।सूर्यवंशी डिनायस्टी में आदि में आने वाली देव कुल की आत्माओं के 84 जन्म होते हैं।

१९) लॉर्ड कृष्णा, = राजा □□कृष्ण, सतयुग में जन्म लेने वाली पहली आत्मा

२०) ऑक्यूपेशन = व्यवसाय,कारोबार,धन्धाधोरी✍

२१) हिस्ट्री जियोग्राफी रिपीट होना=ड्रामा के इतिहास✍□ - भूगोल□ की कल्प पहले की तरह हूबहू पुनरावृत्ति □

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀
□☀□☀□ ॐ शांति□☀□☀
❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-28

हिंदी मुरली में आये कठिन हिन्दी शब्दों के अर्थ

☆★☆★☆★☆★☆★☆★☆★☆★☆

१) धणी = मालिक □□

२)आहिस्ते आहिस्ते = धीरे धीरे□

३) फज़ीलत = मैनर्स□□, सभ्यता, श्रेष्ठता

४) टेव = आदत□

५) एकानामी = जमा का खाता बढ़ाना□, अल्प व्यय, कम खर्च ज्यादा किफ़ायत □

६) हद का बाप = लौकिक पिता□□

७) बेहद का बाप = पारलौकिक पिता□, शिव परमात्मा□

८) नब्ज देखना = जांच करना, सूक्ष्म चेकिंग करनी□

९) चैतन्य लाइट हाउस = जैसे स्थूल लाइट हाउस□ सभी जहाजों□ को रास्ता बताता है, वैसे ही ब्राह्मण बच्चे चैतन्य रूप में अपने ज्ञान योग की आत्मिक लाइट से सभी को सही रास्ता□ बताते हैं।

१०) ग्रहचारी = कुंडली □में बुरे ग्रह □बैठ जाना

११) जडजड़ीभूत = जैसे बीज से झाड़ □निकलता है, इनकी आयु कितनी बड़ी हो जाती है, फिर उनको जड़जड़ीभूत□ अवस्था कहा जाता है।

१२) नौधा भक्ति = भक्ति की चरम अवस्था□

१३) टिक टिक = घड़ी□ जैसे निरंतर टिक टिक कर चलती रहती वैसे यह ड्रामा भी सेकंड बाय सेकंड लगातार चलता रहता है।□

१४) जूं मिसल = धीरे धीरे लगातार

१५) रेजगारी = छोटे सिक्के□

१६) ततत्वम् = तुम वो हो□

१७) तकदीर को लकीर लगाना = भाग्य बनाने का सुअवसर खो□□♂ देना

१८) अमानत = एक निश्चित समय के लिए□ कोई चीज़□ किसी के पास रखना

१९) ख्यानत = अमानत या धरोहर के रूप में रखी वस्तु को हड़प लेना या चुरा लेना□ ,
बुरी नीयत से किसी दूसरे की संपत्ति का गबन कर लेना बेईमानी या भ्रष्टाचार , विश्वासघात□□

२०) प्रवृत्ति मार्ग = संसार के कामों में लगाव, दुनिया के धंधे में लीन होना□□□, भौतिक जीवन के कार्यव्यापारों में आसक्ति, जीवन-यापन का वह प्रकार जिसमें मनुष्य सांसारिक कार्यों और बंधनों में पड़ा रहकर दिन बिताता है। □□♂

२१) निवृत्ति मार्ग = सांसारिक विषयों का किया जानेवाला त्याग, प्रविति का अभाव होना, सांसारिक कार्यों के लगाव से परे□□

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

□☀□☀□ ॐ शांति□☀□☀

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-29

हिंदी मुरली में आये कठिन हिन्दी शब्दों के अर्थ

☆★☆★☆★☆★☆★☆★☆★☆★☆

१) टाल-टालियाँ = सभी धर्मों □की विभिन्न शाखायें□

२) माशूक = परमात्मा प्रियतम□

३) बृहस्पति की दशा = श्रीमत का पालन करते हुए ज्ञान योग की पढ़ाई पर पूरा ध्यान देते रहनेवाले। जिसकी वजह से माया वार नहीं कर पाती तो वे सदा सुखी रहते।□

४) राहु की दशा = श्रीमत का उल्लंघन कर ज्ञान योग की पढ़ाई में फेल होने वाले जसकी वजह से माया का वार होता रहता है जिसकी वजह से हमेशा दुखी रहते। □

५) म्लेच्छ बुद्धि = विकारी बुद्धि□

६) फुरी फुरी अलाव भरता = बूंद□ बूंद□ से तालाब □भरता है।

७) दोज़ख = नरक□

८) अलाएँ = खाद , विकार□

९) आपघात = आत्महत्या□

१०) पैगाम = सन्देश□

११) जुत्ती = शरीर□□

१२) कट = विकार□

१३) रसम ,रस्म = परम्परा, रिवाज□

१४) मुकर्रर = तय किया हुआ, निश्चित□□

१५) बख्तावर = भाग्यवान, खुशनसीब।□

१६) मेहर करना = मेहरबानी, कृपा, अनुग्रह, दया□□

१७) खोट = दोष, अशुद्धि , किसी कार्य या व्यक्ति के प्रति मन में होने वाली बुरी भावना।□

१८) मदार = आधार, धुरी, दायरा□

१९) वारिस =वह पुरुष जो किसी के मरने के पीछे उसकी संपत्ति□ आदि का स्वामी और उसके ऋण आदि का देनदार हो, उत्तराधिकारी जैसे बेटा□□ अपने पिता□□ की संपत्ति का वारिस होता है।□□

२०) मंथन = मथना, खूब डूब-डूबकर तत्वों का पता लगाना।□

२१) विचार सागर मंथन = ज्ञान का गहराई से मनन -चिन्तन करना, ज्ञान के सारतत्त्व का मथकर पता लगाना

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

□☀□☀□ ॐ शांति□☀□☀

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-30

हिंदी मुरली में आये कठिन हिन्दी शब्दों के अर्थ

हिन्दी मुरली शब्दकोष के 3□ 0□से अधिक भागों में हिन्दी ,अंग्रेजी कठिन शब्दों और मुहावरों का अर्थ भाव सहित सरल शब्दों में समझाने का प्रयास किया गया है। कठिन शब्द की कोई परिभाषा नहीं दी जा सकती। किसी के लिए जो शब्द कठिन हो सकता है, वही औरों के लिए सरल भी। कठिन शब्दों का चयन करने और अर्थ का स्पष्टीकरण देते समय यद्यपि सावधानी बरती गई है, फिर भी सुधी पाठकों से अनुरोध है कि यदि आपकी दृष्टि में शब्दकोष में कही कोई त्रुटि रह गई हो साथ ही इस शब्दकोष के अतिरिक्त भी जो कठिन शब्द मुरली श्रवण-वाचन करते हुए आपकी दृष्टि में आयें तो हमें यहां वाटसप **9458867727**, लिखित संदेश के माध्यम से अवश्य जानकारी दे, जिसेे हम दूसरे भाग में शामिल कर सके।

भाषा की प्रकृति परिवर्तनशील रही है। बाबा ने अपने महावाक्य (मुरली) पचास वर्ष से भी पहले उस समय की व्यावहारिक किन्तु बौद्धिकता से ओतप्रोत साहित्यिक, मानक (Standard) हिन्दी में दिया था, जिसमें अंग्रेजी,अरबी-फारसी के शब्द प्रचुर मात्रा में हैं। भूमंडलीकरण के दौर में हिन्दी भाषा की प्रकृति और स्वरूप में समय के साथ बदलाव आया है। अतः आधुनिक परिप्रेक्ष्य में मुरलियों के अर्थ व भाव को अच्छे से समझने के लिए मुरली में आये कठिन शब्दों के भावार्थ जानना आवश्यक हो जाता है। वैसे भी हिन्दी मुरली से दूसरी भाषाओं में अनूदित मुरली को उस भाषा के विद्वानों ने सरल बोधगम्य बनाया है, किन्तु हिन्दी मुरली स्वयं शिव बाबा से नि:सृत होने से इसकी मूल प्रकृति में कोई बदलाव नहीं किया गया , इसलिये यह शब्दकोष कठिन शब्दों का भावबोध कराकर मुरलियों का रसास्वादन कराने में उपयोगी साबित हो ऐसा सम्पादक द्वय आशा करता है।

१) संकल्प = विचार□, किसी विषय में विचारपूर्वक किया हुआ दृढ़ निश्चय (रिज़ोल्यूशन), कार्य करने की वह इच्छा जो मन में उत्पन्न हो, इरादा।

२) कलश = गगरा□, घागर, घड़ा।

३) हुज्जत = व्यर्थ का तर्क, फजूल की दलील, तकरार, कहासुनी।□

४) दुम = पूंछ , आत्मा के निकलते ही शरीर रुपी दुम छूट जायेगा□□

५) प्रकृति = स्वभाव, तासीर, कुदरत।□

६) हाज़िर = संमुख , उपस्थित, सामने आया हुआ, मौजूद, विद्यमान।□

७) हुज़ूर, हज़ूर = बहुत बड़े लोगों के प्रति संबोधन का शब्द, मुरली में शिव परमात्मा के लिये सम्बोधन□

८) शिरोमणि= सर्वश्रेष्ठ,□ भक्तों में नारद और मीरा को भक्तशिरोमणि व ज्ञान में सरस्वती को शिरोमणि कहा गया है।

९) अचल-अडोल = जो न डिगनेवाला हो और न हिले अर्थात् हमेशा स्थिर रहे। □□

१०) फराखदिल = बड़ा दिल।□

११) उल्हना = उलाहना, शिकायत, किसी की भूल या अपराध को उससे दुःखपूर्वक जताना , किसी से उसकी ऐसी भूल चूक के विषय में कहना सुनाना जिससे कुछ दुःख पहुँचा हो ।□

१२) गोपीवल्लभ = महाभारत में वर्णित गोप- गोपियों के अत्यन्त प्रिय श्रीकृष्ण जिनकी मुरली की धुन सुनने के लिये अपनी सुधि बुधि खोकर काम काज छोड़कर चले आते थे।वास्तव में हम बच्चे ही वही गोप-गोपियां हैं, जो नित उस परमप्रिय □शिवबाबा□ अर्थात् गोपीबल्लभ को याद किये और मुरली सुने □□बिना नहीं रह सकती हैं।

१३) मुजीब = स्वीकार करने वाला , जवाब देने वाला ।□

१४) सत्यं शिवम् सुन्दरम् =
जो अविनाशी, चिरंतन और शाश्वत है वही सत्य है।सुंदरता का तात्पर्य किसी दैहिक या प्राकृतिक सौंदर्य से नहीं है। वह तो क्षणभंगुर है। सुंदरता वास्तव में पवित्र मन, कल्याणकारी आचार और सुखमय व्यवहार है। इस सुंदरता का चिरंतन स्रोत शिव ही है। शिव क्या है? शिव शब्द का अर्थ है कल्याणकारी। जो कल्याणकारी है, वही सुंदर है और जो सुंदर है वही सत्य है। इस प्रकार 'सत्यम, शिवम, सुंदरम' जैसे मंत्र का बीज शिव ही है अर्थात इस सृष्टि की कल्याणकारी शक्ति।

१५) कशिश = आकर्षण,□ खिंचाव, झुकाव, रुझान।

१६) ब्रह्मचारी = ब्रह्मचर्य का पालन करने वालों को ब्रह्मचारी कहते हैं।ब्रह्मचर्य दो शब्दो 'ब्रह्म' और 'चर्य' से बना है। ब्रह्म का अर्थ परमधाम,चर्य का अर्थ विचरना, अर्थात परमधाम मे विचरना, सदा उसी का ध्यान करना ही ब्रह्मचर्य कहलाता है।
वास्तव में ब्रह्मचर्य काम विकार से सम्पूर्ण मुक्ति। पवित्रता का आधार स्तंभ है ब्रह्मचर्य।

१७) ग्रहण = स्वीकार करना,धारण,पहनना।□□♂

१८) फिकरात = चिंता, सोच, खटका, ध्यान देने योग्य□□

१९) स्थूल = बड़े आकार का, जो सूक्ष्म न हो अर्थात् जो ज्ञानेन्द्रियों द्वारा स्पष्ट दिखाई या समझ में आने योग्य

२०) सूक्ष्म = बहुत छोटा, पतला या बारीक,जो अपनी बारीकी के कारण सबके ध्यान या समझ में जल्दी न आ सके।

२१) गोरखधंधा = गड़बड़ ,□ गड़बड़ी करनेवाला , घपलेबाजी, गोलमाल करना , अनियमितता ।

❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀

□☀□☀□ ॐ शांति□☀□☀

❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿ ˛˛˛.•*´¯`☆✿ ❀☆✿ ˛˛˛.•*´¯`☆❀

# हिन्दी मुरली शब्दकोश भाग-31

हिंदी मुरली में आये कठिन हिन्दी शब्दों के अर्थ

१) गोसाईं = श्रेष्ठ□□, मालिक , शिव परमात्मा, स्वामी ।

२) साक्षी होना = गवाह, दृष्टा,□ देखनेवाला, आत्मा की बुद्धि रूपी आँख से मन के विचार या किसी घटना को देखनेवाला, मन के विचारों के दृष्टा को साक्षी कहते है । जब हम निर्विचारक बन अपने विचार को देखते हैं तब हम साक्षी होते हैं ,जब हम सिर्फ विचार करते है तब हम मन या विचारक होते है। शब्द रहित आत्म बोध ,"मैं हूँ " के बोध को साक्षी कहते हैं ।

उदाहरण के लिए जब आप एक फूल[अथवा किसी दृश्य] को निर्विचार होकर देखते है तब आप साक्षी है ।

अथवा जब आप किसी फूल या दृश्य को देखते है तब आपके अंदर उस फूल के बारे में मन में प्रतिक्रिया उठती है की यह गुलाब

का फूल है ,तब आप उस प्रतिक्रिया ,विचार को भी देखे तो यह हुआ साक्षी।

३) सौगात = वह वस्तु जो इष्ट जनों को देने के लिये लाई जाय, भेंट□,उपहार, तोहफा।

४) पदमापदम, पदमगुणा =

गणित में सोलहवें स्थान की संख्या (१०० नील) जो इस प्रकार लिखी जाती हैं–१००,००,००,००,००,००,०००

१ नील = सौ अरब। संगम पर किया हुआ पुराषार्थ

पदमापदम/पदमगुणा फलदाई होता है।

५) प्रवृत्ति = झुकाव, संसार के कार्यों से लगाव,□□♂भौतिक जीवन के क्रियाकलापों (activity )में आसक्ति, मुरली के सन्दर्भ में गृहस्थ व्यवहार में रहकर श्रीमत की युक्ति (तरकीब) से निर्विकारी बनकर परमात्मा से योगयुक्त होना।

६) पुरूषार्थ = कर्म□□, वह मुख्य उद्देश्य या प्रयोजन जिसकी प्राप्ति या सिद्धि के लिए प्रयत्न करना आवश्यक और कर्त्तव्य हो।

७)उपराम = राम के समीप /न्यारापन = निरन्तर योगयुक्त रहकर चित्त को सर्व-सम्बन्ध, सर्व प्रकृति के आकर्षण से न्यारा हो जाना ही उपराम होना है।इस सृष्टि में अपने को मेहमान समझने से उपराम अवस्था आएगी।□□

८) मुआफिक =ठीक ठीक, न ज्यादा न कम, मनोनुकूल,इच्छानुसार □□

९) सदृश = समान

१०) मनोनुकूल = इच्छानुसार।

११) हप = कोई वस्तु मुँह में चट से लेकर होंठ बंद करना जैसे–हप से खा गया। मुहावरा–हप कर जाना=झट से मुँह में डालकर खा जाना

१२) गफलत = असावधानी ♂

१३) वैजयन्ती = पताका,झण्डा, विजयमाला , ज्ञान में अष्टरत्न आत्माओं की माला।

१४) सत्यं शिवम् सुन्दरम् =
जो अविनाशी, चिरंतन और शाश्वत है वही सत्य है।सुंदरता का तात्पर्य किसी दैहिक या प्राकृतिक सौंदर्य से नहीं है। वह तो क्षणभंगुर है। सुंदरता वास्तव में पवित्र मन, कल्याणकारी आचार और सुखमय व्यवहार है। इस सुंदरता का चिरंतन स्रोत शिव ही है। शिव शब्द का अर्थ है कल्याणकारी। जो कल्याणकारी है, वही सुंदर है और जो सुंदर है वही सत्य है। इस प्रकार 'सत्यम्, शिवम्, सुंदरम्' जैसे मंत्र का बीज शिव ही है अर्थात इस सृष्टि की कल्याणकारी शक्ति।

१५) अखुट = कभी न समाप्त होने वाला लगातार अनवरत ।

१६) माशूक= वह जिसके साथ प्रेम किया जाय, प्रियतम, परमात्मा

१७) आशिक = प्रेम करनेवाला मनुष्य या भक्त, चित्त से चाहनेवाला मनुष्य।आत्मा ♂

१८) खुदाई खिदमतगार= ईश्वर की खिदमत या सेवा करनेवाला।✈

१९) रिंचक मात्र = बहुत थोड़ा।

२०) हम सो, सो हम = भक्ति मार्ग में आत्मा सो परमात्मा, परमात्मा सो आत्मा। पर ज्ञान मार्ग में शिव बाबा ने समझाया यह अर्थ बिल्कुल गलत है।हम सो का सही अर्थ है हम देवता,क्षत्रिय,वैश्य सो शूद्र।अभी हम सो ब्राह्मण बने हैं सो फिर से देवता बनने के लिये।

२१) प्रारब्ध/प्रालब्ध = तीन प्रकार के कर्मो में से वह जिसका फलभोग आरंभ हो चुका हो। २. भाग्य, किस्मत, जैसे,–जो प्रारब्ध में होगा वही मिलेगा।

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀

☀☀ ॐ शांति☀☀

❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀ ✿❀ ✿¸¸¸.•*´¯`☆✿ ❀☆✿¸¸¸.•*´¯`☆❀